।। परिशिष्ट ।।

श्रीमद्भागवत के ४० (चालीस) प्रश्न

प्रश्न ०१. मोह क्या पदार्थ है?
प्रश्न ०२. मोह किसको हुआ?
प्रश्न ०३. हिरण्यगर्भ रूप अण्ड क्या पदार्थ था?
प्रश्न ०४. उसके अन्दर चेतन तत्त्व किस स्थान से आया?
प्रश्न ०५. अभी जल तत्त्व तो था ही नहीं, फिर सहस्र वर्ष तक सुवर्णमय अण्ड पानी में तैरता रहा, तो वह पानी क्या पदार्थ था, जिसे जल के रूप में लिखा है?
प्रश्न ०६. वह जल कहां से प्रगट हुआ?
प्रश्न ०७. सृष्टि की आदि में इच्छा उत्पन्न हुई, तो वह इच्छा क्या पदार्थ है?
प्रश्न ०८. महत्तत्त्व का स्वरूप क्या है?
प्रश्न ०९. महत्तत्त्व निराकार है या साकार?
प्रश्न १०. अहंकार का स्वरूप क्या है?
प्रश्न ११. यदि अहंकार रूप रहित है तो फिर कैसा है?
प्रश्न १२. महदादि तत्त्वों के स्वरूप क्या है?
प्रश्न १३. तत्त्वों से विराट किस प्रकार बना?
प्रश्न १४. यह विराट नीचे है या ऊपर, कहाँ पर है?
प्रश्न १५. इस प्रतिबिम्ब समान जगत का मूल बिम्ब कहाँ पर है?
प्रश्न १६. निराकार क्या पदार्थ है?
प्रश्न १७. प्रतिबिम्ब किस वस्तु में पड़ा है?
प्रश्न १८. इस विश्व का द्रष्टा कहाँ पर है?
प्रश्न १९. वह साकार है या निराकार?
प्रश्न २०. ब्रह्म में माया तीनों काल में नहीं है, फिर वह जगत कहाँ से प्रगट हुआ? यदि विश्व में ब्रह्म को व्यापक मानें, तो फिर ब्रह्म माया से पृथक कैसे?
प्रश्न २१. यदि ब्रह्म साकार है तो उसका स्वरूप धाम आदि कहिए। यदि वह निराकार है, तो उसे स्वप्न दशा नहीं हो सकती।
प्रश्न २२. क्षर, अक्षर और अक्षरातीत इस प्रकार पृथक–पृथक तीन ब्रह्म कहने का क्या प्रयोजन है?
प्रश्न २३. क्षर, अक्षर और अक्षरातीत का पृथक–पृथक निर्देश कर पुनः ब्रह्म को 'एकमेवाद्वितीयम्' कहने का क्या आशय है?
प्रश्न २४. पांच तत्त्व, तीन गुण, चतुर्दश भुवनात्मक यह विश्व प्रकृति–पुरुष पर्यन्त प्रलय में मिट जाता है, फिर श्री कृष्ण रूप ब्रह्म कहाँ पर बने रहते हैं?
प्रश्न २५. ब्रह्म को इच्छा रहित और माया को इच्छा युक्त क्यों वर्णन किया गया है?

प्रश्न २६. फिर ब्रह्म को इच्छा हुई, ऐसा भी लिखा है, परस्पर विरूद्ध ये बातें किस प्रकार सत्य है?

प्रश्न २७. रास लीला के समय श्री कृष्ण जी ने योगमाया का आश्रय लिया, ऐसा भागवत में लिखा है, तो योगमाया क्या पदार्थ है?

प्रश्न २८. सर्व शक्तिमान ब्रह्म स्वरूप श्री कृष्ण ने योगमाया का आश्रय क्यों लिया?

प्रश्न २९. व्रज और रास को अखण्ड वर्णन किया है तो महाप्रलय में ये किस प्रकार से अखण्ड बच जाते हैं, एवं रास रात्रि को अखण्ड लिखा है। जब रात्रि के बाद पुनः प्रातःकाल हुआ तो रास रात्रि पुनः किस प्रकार अखण्ड बनी रही?

प्रश्न ३०. रास लीला के समय गोपियों के चले जाने पर भी उन्हें ढूंढ़ने के लिये कोई नहीं निकला और न गोपियों के पैरों के चिन्ह ही मिले। इसका कारण क्या था?

प्रश्न ३१. 'जहुर्गुणमयं देहं साद्यं प्रक्षीण बन्धनाः' तत्काल त्रिगुणात्मक शरीर का परित्याग कर गोपियां जब श्री कृष्ण जी से मिलीं तो उन्होंने किस शरीर से रास रमण किया?

प्रश्न ३२. प्रलय के बाद वैकुण्ठ कहाँ पर बना रहता है ?

प्रश्न ३३. प्रलय के समय नारायण का श्वेत द्वीप में निवास करना लिखा है तो वह श्वेत द्वीप कहाँ पर है, जिसका प्रलय में भी नाश नहीं होता है?

प्रश्न ३४. प्रलय के समय वेदों ने भगवान को प्रबोधित किया, ऐसा लिखा है और प्रलय में वेदों का नाश होना भी लिखा है। तब कौन से वेदों ने भगवान को प्रबोधित किया?

प्रश्न ३५. वेदों ने कहां पर जाकर भगवान को प्रबोधित किया?

प्रश्न ३६. क्षुभित होना माया का धर्म है, परन्तु ब्रह्म के बिना माया क्षुभित नहीं हो सकती। यदि ब्रह्म और माया स्वरूप से रहित हैं तो क्षोभ किस प्रकार का हुआ?

प्रश्न ३७. भगवान ने स्वयं कहा है कि परमात्मा की सेवा भक्ति करने वाले निरपेक्ष भक्त गण मेरी दी हुई चारों प्रकार की मुक्ति नहीं चाहते तो मुक्ति से भी अधिक सेवा और भक्ति का फल क्या है?

प्रश्न ३८. भागवत में स्वमुख से भगवान ने ही वर्णन किया है कि 'मेरा धर्म नाना मतों से प्राप्त नहीं होता है। वेद, तप, तीर्थ, यज्ञ तथा जप से मैं प्राप्त नहीं होता और न श्रवण, कीर्तन से ही प्राप्त होता हूँ। 'तब मुक्ति का फिर क्या उपाय रह गया?

प्रश्न ३९. भगवान ने यह भी कहा है कि जितने प्रिय मुझे परमहंस लगते हैं, उतने प्रिय ब्रह्मा, शंकर, लक्ष्मी, शेष और मेरी आत्मा भी नहीं है। उन (परमहंसो) की चरण रेणु से पवित्र होने के लिये मैं उनके पीछे–पीछे फिरा करता हूँ। तो वे परमहंस कौन से हैं, हो गये या होंगे, जो भगवान को अपनी आत्मा से भी अधिक प्रिय हैं और जिनकी पाद रेणु भगवान को भी वांछित है?

प्रश्न ४०. कपिल तथा दुवहूति के सम्वाद में लिखा है कि प्रकृति पुरुष से परे पुरुष रूप ब्रह्म की मैं बार–बार वन्दना करता हूँ, तो वह पुरुष रूप ब्रह्म कौन है?

वेदान्त के १५ (पन्द्रह) प्रश्न

प्रश्न ०१. यदि तुम ब्रह्म को निराकार मानते हो, तो 'निराकार स्वरूप' क्यों कहते हो?
प्रश्न ०२. अज्ञान होते हुए भी ब्रह्म ब्रहत्, सर्वत्र और पूर्ण किस प्रकार हैं?
प्रश्न ०३. जागृत, स्वप्न तथा सुषुप्ति से परे तुर्याभेदक पदार्थ क्या है?
प्रश्न ०४. जब ब्रह्म सर्वत्र व्यापक है तो माया का स्थान कहाँ है?
प्रश्न ०५. सूर्य के समक्ष अन्धकार कैसे ठहर सकता है?
प्रश्न ०६. क्या ब्रह्म सर्वत्र कण–कण में है?
प्रश्न ०७. यदि हम सब ब्रह्म हैं तो अज्ञानी कौन है? वेद, षट् शास्त्र किसके लिये हैं? कौन किसको ढूंढ रहा है?
प्रश्न ०८. जब कहा जाता है कि 'सर्वम् खल्विदं ब्रह्म' अर्थात् निश्चय ही यह सम्पूर्ण जगत् सच्चिदानन्द परब्रह्म है तो स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीर क्या हैं?
प्रश्न ०९/१०. मायातीत ब्रह्म माया में कैसे और क्यों फंस गया?
प्रश्न ११. अणु समान माया ने बृहत् ब्रह्म को किस प्रकार दबा दिया? सच्चिदानन्द स्वरूप ब्रह्म को असत्, जड़ और दुखात्मिका माया कैसे लगी?
प्रश्न १२. यह मिथ्या जगत अनादि काल से चला आ रहा है, फिर इसे रस्सी में सर्प के भ्रम के समान क्यों कहा गया है?
प्रश्न १३. जब ब्रह्म सर्वत्र एक रस पूर्ण हैं तो उसके किस देश में माया को पृथक करेंगे?
प्रश्न १४. माया का अत्यन्ताभाव कैसे होगा? भ्रम का द्रष्टा कौन है?
प्रश्न १५. जब सर्वत्र सर्वरूप में ब्रह्म ही है तो गुरु–शिष्य, स्वामी–सेवक कौन? उपदेश किसको दिया जाता है?

कुरान के २२ (बाईस) प्रश्न

प्रश्न ०१. पिछली किताबें मंसूख करके उन्हीं नामों की नई किताबें कौनसी हैं?
प्रश्न ०२. पिछली आयतें भुलाकर नई बेहतर आयतें लाऊँ, वे आयतें कौनसी हैं?
प्रश्न ०३. रूहों का मर्तबा आदमियों व फरिश्तों से भी बड़ा बताया गया है। वे रूहें कौन सी हैं?
प्रश्न ०४. जिनके हाथ में आखिरत को पैगम्बरों का मुल्क कहा है व काम हाल उनके नूर हैं; वे कौन हैं?
प्रश्न ०५. यहूदियों के गिरोह में आखिरत को पैगम्बरों का मुल्क कहा है। वे (यहूदी) कौन हैं?
प्रश्न ०६. कियामत के वक्त मोमिनों व दुनिया को क्या–क्या फायदा मिलेगा?
प्रश्न ०७. इमाम मुहम्मद महदी साहिबुज्जमां दीन को ताजा करके बढ़ाएगे, वह इमाम मुहम्मद महदी साहिबुज्जमां कौन है?
प्रश्न ०८. उस समय दीन का ताजा होना क्यों लिखा है?
प्रश्न ०९. हजार महीने से बेहतर लैल–तुल–कद्र की रात कही गई है। जिन पर वही (वह्य) उतरी। वे हजार महीने कब होते हैं?
प्रश्न १०. लैल–तुल–कद्र के तीन तकरार कौन–कौन से हैं। खुलासा करके कहिए?

प्रश्न ११. कियामत के वक्त हजरत ईसा रूहअल्ला दो जामें हरा हुल्ला व सफेद गुदरी पहनेगे, ऐसा लिखा है। क्या वह जाहिरी लिबास है?

प्रश्न १२. सदी हिजरी दसवीं में ईसा रूहुल्लाह तथा ग्यारवहीं में इमाम महदी साहिबुज्जमां का जहूर है। इसकी क्या साक्षी है?

प्रश्न १३. डेढ़ सौ साल पीछे होने का क्या सबब है? कहिए।

प्रश्न १४. आखरूल इमाम मुहम्मद महदी साहिबुज्जमां का मशरिक (पूर्व) में जाहिर होना क्यों कहा है?

प्रश्न १५. एक दीन होना व दुनिया का नूर और अदल से भरना क्या है?

प्रश्न १६. अस्राफील के सूर फूँकने पर पहाड़ रूई की तरह उड़ जाएंगे और दोबारा कायम होंगे। इसका मायना क्या है?

प्रश्न १७. जुल्म व शिर्क से भरी दुनिया नूर और अदल से कब और कैसे भरेगी?

प्रश्न १८. आखरूल इमाम मुहम्मद महदी साहिबुज्जमां ने दीन की पातसाही की खिलाफत महाराजा छत्रसाल जू (अली) को दी है तो उनकी खिलाफत को मानते क्यों नहीं हो। दीने इस्लाम हकीकी (निजानन्द सम्प्रदाय) के खलीफा छत्रसाल जू बनाए गए हैं तो उनकी खिलाफत को तस्लीम क्यों नहीं करते?

प्रश्न १९. कुरान पाक में जैसा लिखा है वैसी ही दुश्मनी आलिम आखरूल इमाम साहिबुज्ज़ामां से कर रहे हैं। आखिरत को इसका सिला किस प्रकार मिलेगा?

प्रश्न २०. उन्हें दस तरह की दोजख की आग में जलना पड़ेगा, क्यों?

प्रश्न २१. रूक्के में लिखा है कि याजूज–माजूज पातसाही करेगें। इसका क्या आशय है?

प्रश्न २२. आखिरत में जो आठ बहिस्तें कायम होंगी, उनमें किनको कायम किया जाएगा और क्यों?

।। इति पूर्णम् ।।